पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में सी0आई0आई0 द्वारा आयोजित 'एनुअल बिजनेस समिट–2026' को सम्बोधित किया

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत दुनिया में आर्थिक उन्नति के नित नए आयाम स्थापित कर रहा : मुख्यमंत्री

भारत आत्मनिर्भर तब बनेगा, जब राज्य आत्मनिर्भर होंगे, उ0प्र0 आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा

प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप वर्ष 2029–30 तक उ0प्र0 को 01 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को अचीव करेंगे

सभी उद्यमी प्रदेश की सम्भावनाओं को साकार करने में अपना योगदान दें

हमने उ0प्र0 में सुरक्षा दी, पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति से राज्य को उबारा

उ0प्र0 के अनलिमिटेड पोटेंशियल को प्लेटफॉर्म तथा उस प्रकार का नेतृत्व दिया गया

प्रदेश की खेती को तकनीक से जोड़ा, अन्नदाता किसानों से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारा

डी0बी0टी0 के माध्यम से हर व्यक्ति के खाते में धनराशि का पहुँचना तकनीक के उपयोग का बेहतरीन उदाहरण

अलग–अलग क्षेत्र की नीतियां बनाकर प्रदेश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को बढ़ाया गया

वर्ष 2017 में उ0प्र0 ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस रैकिंग में 13वें–14वें स्थान से वर्तमान में टॉप अचीवर स्टेट बना

प्रदेश में वर्तमान में 32,000 से अधिक बड़े उद्योग, इनमें से 18,000 से अधिक नए उद्योग विगत 08–09 वर्षों में स्थापित हुए

उद्यमी पॉलिसी के दायरे में समयबद्ध तरीके से अपना कार्य आगे बढ़ा सकें, इसके लिए प्रदेश में सभी सुविधाएँ उपलब्ध करायी जा रही

देश के जिन राज्यों में बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद है, उनमें उ0प्र0 भी शामिल

हमने उ0प्र0 की नींव को मजबूत किया, अब डबल इंजन सरकार को बुलेट ट्रेन की स्पीड से चलाने की बारी आयी

मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उ0प्र0 में आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हुआ, निवेश और व्यापार को नई गति मिली : महानिदेशक सी0आई0आई0

पिछले कुछ वर्षों में उ0प्र0 में "फिनोमिनल ट्रांसफॉर्मेशन" देखने को मिला, उद्योग जगत अब यू0पी0 को पूरी तरह अलग नजरिए से देख रहा : अध्यक्ष सी0आई0आई0

लखनऊ : 11 मई, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि विगत 11 वर्षों में देश ने बहुत आर्थिक प्रगति की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया में आर्थिक उन्नति के नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री जी ने देश की आजादी के शताब्दी महोत्सव के वर्ष में आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की परिकल्पना दी है। भारत आत्मनिर्भर तब बनेगा, जब राज्य आत्मनिर्भर होंगे। भारत की सबसे बड़ी आबादी का राज्य उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता के इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप हम वर्ष 2029–30 तक उत्तर प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को अचीव करेंगे।

मुख्यमंत्री जी आज नई दिल्ली में सी0आई0आई0 द्वारा आयोजित 'एनुअल बिजनेस समिट–2026' के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने सी0आई0आई0 बनारस कल्चरल फिनाले के वीडियो का विमोचन किया। मुख्यमंत्री जी ने एनुअल बिजनेस समिट में आए उद्यमियों को उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि आर्थिक समृद्धि का प्रत्यक्ष सम्बन्ध रोजगार सृजन से है। देश की वर्तमान की आर्थिक प्रगति में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व, श्री एन0के0 सिंह जैसे अर्थशास्त्री के सुझाव तथा सी0आई0आई0 जैसे संगठनों के सहयोग की बड़ी भूमिका है। सभी उद्यमी प्रदेश की सम्भावनाओं को साकार करने में अपना योगदान दें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। आज ही के दिन वर्ष 1951 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी के कर–कमलों से श्री सोमनाथ महादेव के मन्दिर की पुनर्प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ था। आज ही के दिन श्रद्धेय अटल जी ने 'ऑपरेशन शक्ति' के अन्तर्गत पोखरण में परमाणु परीक्षण सम्पन्न किए थे, जिससे भारत की सामर्थ्य को दुनिया ने देखा था। यह क्षमता भारत की सामर्थ्य का प्रतीक तो है ही, साथ ही इसने विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त किया है। हमें यह याद रखना होगा कि जिसके पास शक्ति और सामर्थ्य होगा, वही करुणा और मैत्री का मार्ग प्रशस्त कर पाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज से 09 वर्ष पहले भारत की सबसे अधिक आबादी वाला राज्य अपनी पहचान का मोहताज था। उत्तर प्रदेश के नाम में तो उत्तर था, लेकिन उस पर प्रश्नचिन्ह लगे हुए थे। प्रदेश को शक की निगाह से देखा जाता था। प्रदेश में अराजकता की स्थिति थी। माफियाराज हावी था। वर्ष 2017 से पहले उत्तर

प्रदेश में 01 वर्ष में 300 से अधिक दंगे हुए थे। कर्फ्यू की स्थिति रहती थी। नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। अन्नदाता किसान आत्महत्या के लिए मजबूर थे। मध्य और पश्चिम उत्तर प्रदेश के लोगों ने अपने परिवार की बेटियों को उत्तर प्रदेश के बाहर पढ़ने के लिए भेज दिया था। उद्यमी पलायन कर रहे थे। प्रदेश में निवेश से सम्बन्धित कोई पॉलिसी नहीं थी। सड़कों की स्थिति अच्छी नहीं थी। जहाँ से सड़कों पर गड्ढे मिलना और अन्धेरा दिखना शुरू हो जाए, यह मान लिया जाता था कि अब उत्तर प्रदेश में आ गए हैं। वर्ष 2017 के पहले यही उत्तर प्रदेश की पहचान थी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश की इस पहचान को बदलने का दायित्व प्रधानमंत्री जी ने उन्हें दिया। उस समय मठ के संचालन का अनुभव प्रदेश को आगे बढ़ाने में बहुत काम आया। किसी भी मठ का अपना एक अनुशासन होता है। सभी कार्यक्रम समयबद्ध तरीके से वित्तीय अनुशासन के साथ पूरे किए जाते हैं। सुरक्षा के साथ ही बेहतरीन प्रबन्धन के कार्य भी होते हैं। उत्तर प्रदेश में उस समय सुरक्षा के वातावरण की स्थापना सबसे प्रमुख कार्य था। विकास की पहली शर्त कानून का राज है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश में सुरक्षा देने के साथ ही, पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति से राज्य को उबारा। अलग–अलग सेक्टर के लिए नीतियाँ तैयार की गईं, जिसके अन्तर्गत सभी कार्य आगे बढ़ाए गए। हम उत्तर प्रदेश की व्यापक और असीमित सम्भावनाओं से परिचित थे। इस अनलिमिटेड पोटेंशियल को प्लेटफॉर्म तथा उस प्रकार का नेतृत्व दिया गया। कृषि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। अन्नदाता किसानों की आत्महत्या रोकने के लिए एग्रीकल्चर ग्रोथ की दिशा में कार्य किए गए। प्रधानमंत्री जी ने अन्नदाता किसानों के विकास को पहली बार अपने एजेण्डे का हिस्सा बनाया था। हमने अन्नदाता किसानों से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती दुनिया की सबसे उर्वरा भूमि में से एक है। यहाँ पर्याप्त जल संसाधन मौजूद हैं। प्रदेश की 86 प्रतिशत भूमि सिंचित है। अकेले उत्तर प्रदेश में यह क्षमता है कि वह दुनिया की खाद्यान्न आवश्यकता को पूरा कर सके। हमने प्रदेश की खेती को तकनीक से जोड़ा है। तकनीक एक कॉमन मैन के जीवन में व्यापक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती है। डी0बी0टी0 के माध्यम से हर व्यक्ति के खाते में उससे सम्बन्धित योजनाओं की धनराशि का पहुँचना तकनीक के उपयोग का बेहतरीन उदाहरण है।

किसी भी राष्ट्र की मैन्युफैक्चरिंग पावर जितनी सशक्त होगी, वह राष्ट्र आर्थिक पायदान पर उतनी ही उन्नति करेगा। हमने अलग–अलग क्षेत्र की नीतियां बनाकर प्रदेश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को बढ़ाया है। उद्योग और उद्यमिता मजबूत होंगे, तो रोजगार,

निवेश और समृद्धि स्वतः बढेंगी। दुनिया के अधिसंख्य संघर्षों और युद्धों के पीछे आर्थिक हित प्रमुख कारण रहे हैं। ऐसे में कोई भी देश अपने उद्यमियों की उपेक्षा नहीं कर सकता।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश में निवेश की सम्भावनाओं को लेकर आशान्वित थे। इसके लिए व्यापक लैण्ड बैंक बनाया गया और एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र को पुनर्जीवित किया गया। अपने कार्यकाल की शुरुआत से ही हमने अपराध एवं अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनायी। पहले उत्तर प्रदेश में 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' की स्थिति थी। माफियाओं की समानान्तर सत्ता चलती थी। आज उत्तर प्रदेश में कोई भी माफिया इस प्रकार का दुस्साहस नहीं कर सकता। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में कोई भी संगठित अपराध नहीं है। प्रदेश में सभी व्यापारी तथा उद्यमी सुरक्षित हैं। पहले कैराना से लोग भय के कारण पलायन कर रहे थे। हमारी सरकार आने के बाद इस स्थिति में परिवर्तन आया। किसी भी राज्य अथवा देश के विकास की पहली शर्त सुरक्षा है। यह हर व्यक्ति का अधिकार है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए अनेक रिफॉर्म किए गए। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस रैकिंग में 13वें–14वें स्थान पर था। वर्तमान में उत्तर प्रदेश ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस में टॉप अचीवर स्टेट है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 32,000 से अधिक बड़े उद्योग हैं। इनमें से 18,000 से अधिक नए उद्योग विगत 08–09 वर्षों में स्थापित हुए हैं। प्रदेश में वर्तमान में 96 लाख एम0एस0एम0ई0 यूनिट्स स्थापित हैं। यह एम0एस0एम0ई0 यूनिट्स बड़े उद्योगों की ताकत हैं। एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र 03 करोड़ युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रहा है। वर्ष 2018 में 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' के माध्यम से एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र को प्रोत्साहित किया गया, इसकी ब्राण्डिंग की गई, इसे तकनीक, डिजाइन तथा पैकेजिंग से जोड़ा। आज यह क्षेत्र बेहतर तरीके से कार्य कर रहा है।

जब उत्तर प्रदेश में पहले इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया, तो लोग प्रदेश में निवेश को लेकर आशंकित थे, लेकिन हमने सकारात्मक सोच के साथ कार्य किया और उम्मीद से बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त हुए। पहले ही इन्वेस्टर्स समिट में हमें 4,67,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग 60 प्रतिशत निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग कराने में सफलता प्राप्त की गई है। अब तक हमें लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रदेश में आज 75,000 एकड़ लैण्ड बैंक भी उपलब्ध है। हर उद्योग के लिए भूमि तथा बेहतर कनेक्टिविटी आवश्यक शर्त है। उद्यमी पॉलिसी के दायरे में समयबद्ध तरीके से अपना कार्य आगे बढ़ा सकें, इसके लिए आज प्रदेश में सभी सुविधाएँ उपलब्ध करायी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थिति अत्यन्त कमजोर थी। आज यह प्रसन्नता का विषय है कि देश के जिन राज्यों में बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद है, उनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। प्रदेश की इण्टरस्टेट कनेक्टिविटी 4–लेन से जुड़ी है। वर्ष 2017 में प्रदेश में केवल डेढ़ एक्सप्रेस–वे थे। आज भारत के एक्सप्रेस–वे नेटवर्क का 60 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में है। भारत का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क यू0पी0 में हैं। सबसे अधिक शहरों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए मेट्रो की सेवाएँ प्रदेश दे रहा है। दिल्ली–मेरठ के बीच देश की पहली रैपिड रेल प्रारम्भ हो चुकी है। भारत का पहला इनलैण्ड वॉटर–वे वाराणसी से हल्दिया के बीच संचालित हो चुका है। ईस्टर्न एण्ड वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर उत्तर प्रदेश से होकर गुजरते हैं। इनका जंक्शन भी प्रदेश में है।

वर्ष 2017 में प्रदेश में लखनऊ और वाराणसी के दो एयरपोर्ट पूरी तरह क्रियाशील थे। गोरखपुर और आगरा एयरपोर्ट आंशिक रूप से संचालित थे। वर्तमान में प्रदेश में 16 एयरपोर्ट पूरी तरह कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में पाँच इण्टरनेशनल एयरपोर्ट हैं। भारत का सबसे बड़ा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट जेवर में बनाया गया है। नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट के पास लगभग 14,000 एकड़ भूमि उपलब्ध है। वहाँ कार्गो, लॉजिस्टिक हब तथा एम0आर0ओ0 फैसिलिटी उपलब्ध करायी जा रही है। मेरठ से प्रयागराज के बीच उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े गंगा एक्सप्रेस–वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री जी ने विगत 29 अप्रैल को किया है। यह राज्य सरकार द्वारा बनाया गया है।

वर्तमान में भारत की 55 प्रतिशत मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग उत्तर प्रदेश में हो रही है। इसी प्रकार 55 से 60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेण्ट यू0पी0 में बन रहे हैं। जिस राज्य में अच्छी खेती–किसानी हो तथा जिसे उद्यमियों द्वारा मैन्युफैक्चरिंग पावर का हब बना दिया जाए, तो उस राज्य को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। वर्ष 2017 के पहले उत्तर प्रदेश बीमारू राज्यों की श्रेणी में आता था। आज यह बीमारू राज्य नहीं, बल्कि भारत की इकोनॉमी का ब्रेक–थ्रू स्टेट है। उत्तर प्रदेश, भारत की इकोनॉमी के ग्रोथ इंजन की भूमिका का निर्वहन कर रहा है। जो प्रदेश वर्ष 2017 के पहले देश की बड़ी इकोनॉमी वाले राज्यों में बॉटम थ्री में गिना जाता था, आज वह देश की टॉप थ्री इकोनॉमी में मजबूती से सबसे तेज इकोनॉमिक ग्रोथ के साथ आगे बढ़ रहा है।

इन 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना करने में सफलता मिली है। प्रदेश की जी0एस0डी0पी0 भी तीन गुना हुई है। हमने उत्तर प्रदेश की नींव को मजबूत किया है। पिछली सरकारों की कमियों को दूर किया है। अब इस डबल इंजन सरकार को बुलेट ट्रेन की स्पीड से चलाने की बारी आयी है। वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ आज उत्तर प्रदेश में देश ही नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे

बेहतरीन वर्क फोर्स मौजूद है। हमारी 56 प्रतिशत आबादी वर्किंग फोर्स है। इन सभी की स्किलिंग के लिए हम कार्य कर रहे हैं।

हमने उद्योगों की स्थापना के लिए इन्सेण्टिव की व्यवस्था की है। कोई भी उद्योग अपने साथ विकास भी लेकर आता है। यह युवाओं को रोजगार देता है, जिससे सरकार के ऊपर अप्रत्यक्ष रूप से दबाव कम होता है। जब उद्योग सरकार के दबाव को अपने ऊपर लेते हैं, तो सरकार की भी यह जिम्मेदारी है कि उद्योगों के साथ खड़ी हो। सरकार उद्योगों को सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी दें तथा उनकी सप्लाई चेन को मजबूत बनाए। उत्तर प्रदेश सरकार वर्तमान में यह सभी कार्य मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही है।

विगत 09 वर्षों में हमने प्रदेश की कृषि विकास दर को 08 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत पहुँचाने में सफलता प्राप्त की है। हमारी इण्डस्ट्री ग्रोथ लगभग 30 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है। उत्तर प्रदेश से युवाओं का पलायन रुका है। आज प्रदेश के नौजवानों को यहीं रोजगार मिलना भी प्रारम्भ हुआ है। पहले प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र उपेक्षित था। जबकि उत्तर प्रदेश में पर्यटन की अपार सम्भावनाएँ हैं। गत वर्ष प्रदेश में 156 करोड़ पर्यटक आए। 156 करोड़ दुनिया के किसी भी देश की आबादी नहीं है। इसमें प्रयागराज महाकुम्भ की बड़ी भूमिका थी। लगभग 66–67 करोड़ लोग तो केवल महाकुम्भ में ही आए थे। एक टूरिस्ट स्थान विशेष के विकास में अपना योगदान देकर जाता है। यह सम्भावनाएँ यू0पी0 में बहुत अच्छी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहाँ काशी, अयोध्या, मथुरा–वृन्दावन, विन्ध्यवासिनी धाम, नैमिषारण्य, शुकतीर्थ तथा बौद्ध एवं जैन सर्किट हैं। सर्वाधिक जैन तीर्थंकर उत्तर प्रदेश में जन्मे। भगवान ऋषभदेव से लेकर अनेक जैन तीर्थंकरों की पावन धरा और उनकी जन्मस्थली उत्तर प्रदेश रही है। सूफी परम्परा की भूमि भी यू0पी0 रही है। प्रदेश की इन सम्भावनाओं को भी हमने तेजी के साथ आगे बढ़ाने का काम किया है। अलग–अलग सेक्टरों में मौजूद सम्भावनाओं को साकार करते हुए, आज उत्तर प्रदेश भारत की सबसे तेज उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो रहा है।

सी0आई0आई0 के महानिदेशक श्री चन्द्रजीत बनर्जी ने मुख्यमंत्री जी का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति में अभूतपूर्व योगदान दिया है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हुआ है तथा निवेश और व्यापार को नई गति मिली है। विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल गवर्नेंस, नगरीय विकास और युवाओं के सशक्तिकरण ने उत्तर प्रदेश को नई दिशा दी है।

सी0आई0आई0 के अध्यक्ष श्री राजीव मेमानी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में "फिनोमिनल ट्रांसफॉर्मेशन" देखने को मिला है और उद्योग जगत अब यू0पी0 को पूरी तरह अलग नजरिए से देख रहा है। अब देश और विदेश के उद्योगपति उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं और मुख्यमंत्री जी के आशीर्वाद व मार्गदर्शन से हम इस रास्ते को और मजबूत करेंगे। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यशैली की भी सराहना की। कार्यक्रम में पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे, गंगा एक्सप्रेस–वे और जेवर इण्टरनेशनल एयरपोर्ट जैसी परियोजनाओं का विशेष उल्लेख किया गया। श्री राजीव मेमानी ने कहा कि इन परियोजनाओं ने उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी और औद्योगिक सम्भावनाओं को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने कहा कि जब लोग उत्तर प्रदेश से होकर यात्रा करते हैं, तो उनकी यू0पी0 को लेकर सोच पूरी तरह बदल जाती है।

सी0आई0आई0 एनुअल बिजनेस समिट–2026 में उद्योग जगत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व और उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों की सराहना की। देशभर से आए उद्योगपतियों, निवेशकों और कॉरपोरेट प्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने कानून व्यवस्था, निवेश, आधारभूत संरचना और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है।

समिट में अयोध्या, श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकुम्भ जैसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों की भी सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ का सफल आयोजन उत्तर प्रदेश की प्रशासनिक क्षमता और बड़े आयोजनों के कुशल प्रबन्धन का उदाहरण है।

इस अवसर पर 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री एन0के0 सिंह, प्रबन्ध निदेशक एवं सी0ई0ओ0 सेमटेल एवियोनिक्स श्री पुनीत कौरा, चेयरपर्सन आनन्द ग्रुप सुश्री अंजलि सिंह, हीरो इण्टरप्राइज के अध्यक्ष श्री सुनीत कान्त मुंजाल, त्रिवेणी टर्बाइन लि0 के प्रबन्ध निदेशक श्री निखिल साहनी, सह संस्थापक एवं प्रबन्धन निदेशक जुबिलेण्ट भरलिया ग्रुप श्री एच0एस0 भरतिया, जे0के0 टायर इण्डस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री रघुपति सिंघानिया, एम0एम0डी0 सुब्रोस लि0 सुश्री श्रद्धा सूरी मारवाह, सी0एम0डी0 आई0जी0एल0 श्री उमाशंकर भरतिया तथा सी0आई0आई0 से जुड़े अन्य उद्यमी उपस्थित थे।

————————

PN-CM-New Delhi-CII-Annual Business Summit-11 May, 2026